



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

12 वैशाख 1933 (श0)
(सं0 पटना 164) पटना, सोमवार, 2 मई 2011

सं0 वन्य प्राणी-08 / 2007-467 (ई0) / प०व०
पर्यावरण एवं वन विभाग

संकल्प

31 दिसम्बर 2010

विषय :-वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 38X के प्रावधानों के निमित्त वाल्मिकी व्याघ्र संरक्षण फाउण्डेशन/न्यास के गठन एवं इसके संचालन हेतु वाल्मिकी न्यास संरक्षण फाउण्डेशन/न्यास नियमावली, 2010 बनाने के संबंध में।

वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 (1972 का 53) (संशोधन, 2006) की धारा-38X के प्रावधानों के अन्तर्गत वाल्मिकी व्याघ्र आरक्ष क्षेत्र में बाघ तथा जैव विविधता के संरक्षण, प्रबंधन एवं ईको विकास को सरल एवं सहायक बनाने के लिए व्याघ्र संरक्षण फाउण्डेशन का गठन सरकार द्वारा किया जाना है। भारत सरकार के द्वारा इस हेतु बनाये गए दिशा-निर्देश के आलोक में राज्य में पूर्व घोषित वाल्मिकी व्याघ्र आरक्ष के लिए “वाल्मिकी व्याघ्र आरक्ष फाउण्डेशन/न्यास के गठन का प्रस्ताव है। राज्य सरकार ने सम्यक विचारोपरांत निर्णय लिया है कि—

- (i) सरकार के संबंधित नियमों के अन्तर्गत वाल्मिकी व्याघ्र आरक्ष फाउण्डेशन/न्यास एक पंजीकृत ट्रस्ट होगा।
- (ii) फाउण्डेशन/न्यास का उद्देश्य एवं लक्ष्य वाल्मिकी व्याघ्र परियोजना/आरक्ष के वनों तथा संलग्न क्षेत्र में पारिस्थितिकीय, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास को सुविधाजनक बनाना, प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा कार्य हेतु सहायता प्रदान करना होगा।
- (iii) इसके लिए जिन संसाधनों एवं परिसम्पत्तियों की आवश्यकता है, उसका सृजन, संचयन तथा अनुरक्षण करना तथा इनके प्रबंधन को सरल बनाना होगा।
- (iv) फाउण्डेशन के कार्य को कार्यान्वयन एजेंसी तथा इसके कर्मचारी अथवा प्रायोजित अथवा इसके द्वारा समर्पित अथवा अन्य संस्थानों एजेंसियों के माध्यम से कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा अथवा व्यक्ति के द्वारा किया जाएगा।
- (v) फाउण्डेशन, कार्यान्वयन एजेंसी की सहायता के लिए उपर्युक्त और संबंधित क्षेत्रों में ईको-विकास, ईको-पर्यटन, अनुसंधान, पर्यावरणीय शिक्षा, प्रशिक्षण आदि कार्यों में बढ़ावा देगी।
- (vii) फाउण्डेशन/न्यास का मुख्यालय बेतिया, पश्चिमी चम्पारण, बिहार होगा। फाउण्डेशन का कार्य क्षेत्र वाल्मिकी व्याघ्र आरक्ष, वाल्मिकी वन्य प्राणी आश्रयणी तथा इसके संलग्न भू-भाग होगा।

(viii) वाल्मिकी व्याघ्र फाउण्डेशन/न्यास के प्रथम न्यास के सदस्य निम्नांकित होंगे :-

- (1) माननीय मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार, पटना
- (2) प्रधान सचिव, वित्त विभाग, बिहार, पटना
- (3) प्रधान सचिव, पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार, पटना
- (4) प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार, पटना
- (5) अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक, बिहार, पटना
- (6) अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास), बिहार, पटना
- (7) मुख्य वन संरक्षक (पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण), बिहार, पटना
- (8) क्षेत्र निदेशक, वाल्मिकी व्याघ्र परियोजना, बेतिया
- (9) उप-निदेशक, वाल्मिकी व्याघ्र परियोजना, प्रमंडल-1, बेतिया
- (10) उप-निदेशक, वाल्मिकी व्याघ्र परियोजना, प्रमंडल-2, बेतिया

ये आगे न्यासी कहे जाएंगे। न्यासी से इनके उत्तराधिकारी अथवा इन पदों पर प्रतियोजित, व्यक्ति भी सम्मिलित समझे जाएंगे, जबतक इनके संबंध में अन्यथा विहित नहीं किया जाए।

(ix) फाउण्डेशन/न्यास के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण, कार्य संचालन एवं प्रदत्त शक्तियों आदि के नियम विहित किए गए हैं, जो परिशिष्ट के रूप में संलग्न हैं। ये नियम वाल्मिकी न्यास संरक्षण फाउण्डेशन/न्यास नियमावली, 2010 कहलायेंगे और ये नियम इस संकल्प के निर्गत होने की तिथि से प्रवृत्त माने जाएंगे।

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में सर्वसाधारण की जानकारी हेतु प्रकाशित किया जाए।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामता प्रसाद पाण्डेय,
सरकार के विशेष सचिव।

वाल्मीकि व्याघ्र संरक्षण फाउण्डेशन/ न्यास
नियमावली-2010

वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 (1972 का 53) (संशोधन, 2006) की धारा 38X के प्रावधानों के अन्तर्गत वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष क्षेत्र में बाघ एवं जैव विविधता संरक्षण, प्रबंधन एवं विकास को सरल एवं सहायक बनाने के लिए वाल्मीकि व्याघ्र संरक्षण फाउण्डेशन/ न्यास का गठन किया गया है। फाउण्डेशन के कार्यों को सुचारु रूप से चलाने एवं उपरोक्त अधिनियम के प्रासंगिक धाराओं के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के उचित एवं प्रभावी उपयोग के लिए भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा-निर्देश के आलोक में निम्नांकित नियमावली बनायी जाती है।

1.1 शीर्षक

ये नियम “वाल्मीकि फाउण्डेशन के नियम” कहलायेंगे।

1.2 विस्तार

ये नियम फाउण्डेशन की सभी इकाइयों पर लागू होंगे एवं फाउण्डेशन द्वारा अथवा उसकी ओर से सम्पादित एवं प्रायोजित क्रिया-कलापों पर लागू होंगे।

1.3 प्रवर्तन की तारीख

ये नियम उक्त तिथि से प्रवर्तित होंगे जिस तिथि को बिहार सरकार द्वारा इन नियमों को अधिसूचित किया जाएगा।

1.4 परिभाषायें

इन नियमों में जब तक कि सन्दर्भ अन्यथा अपेक्षा नहीं करे :

(क) “पदाधिकारी एवं कर्मचारी” से अभिप्रेत है फाउण्डेशन के सभी पूर्णकालिक नियोजित व्यक्ति जिनकी नियुक्ति कार्यकारी समिति अथवा अन्य प्राधिकारी अथवा पदाधिकारी जिन्हें ऐसा करने की शक्ति प्रत्यायोजित की गई हो, द्वारा की गई हो एवं इनमें परामर्शी, अनुबंध पर कार्यरत पेशेवर व्यक्ति, प्रतिनियुक्त किये गये कर्मचारी तथा ग्रामीण प्रवर्तक कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे।

(ख) “निदेशक” से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा नियुक्त वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना, बेतिया, पश्चिमी चम्पारण के क्षेत्र निदेशक।

(ग) “सरकार” से अभिप्रेत है बिहार सरकार।

(घ) अध्यक्ष से अभिप्रेत है फाउण्डेशन के शासी पर्वद का प्रधान जिसे सरकार द्वारा नियुक्त किया गया हो।

1.5 फाउण्डेशन के कार्य

1.5.1 उपरोक्त उद्देश्यों के प्रयोजनार्थ फाउण्डेशन का कार्य ऐसे सभी क्रिया-कलापों का सम्पादन करना होगा जो उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अपेक्षित हो या आवश्यक लगे।

- इस न्यास/ फाउन्डेशन की भूमिका मूलतः वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना प्रबन्धन को जैव-विविधता संरक्षण के पहलकारी कार्यों में मार्गदर्शन देने की होगी न कि स्वयं प्रत्यक्षतः इसकी क्रियान्वयन प्रक्रिया में भाग लेने की होगी।
- 1.5.2 वाल्मीकि वन्यप्राणी आश्रयणी एवं संलग्न वन क्षेत्र में कुल 80 इको-विकास समितियाँ गठित हैं जो दो परिसंघों में संगठित हैं, जो परिसंघ वन विकास अभिकरण, बेतिया-1 तथा वन विकास अभिकरण, बेतिया-2 के नाम से रजिस्टर्ड सोसायटी के रूप में कार्यरत हैं। यह फाउन्डेशन दोनों वन विकास अभिकरणों तथा वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना प्रबन्धन को सहयोग कर उन्हें निर्देशन एवं पर्यवेक्षण तथा इन इको-विकास समितियों द्वारा इको-विकास क्रिया-कलापों को सहायता प्रदान करेगा।
- 1.6 सम्पत्ति, आस्तियाँ एवं दायित्व
फाउन्डेशन की आय एवं सम्पत्ति, चाहे जिस प्रकार से प्राप्त हुई हो का उपयोग केवल उपरोक्त में उल्लेखित उद्देश्यों की पूर्ति तथा लक्ष्यों की प्राप्ति करने हेतु हो सकेगा, जो बिहार सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान के उपयोग के मामले में उन बन्धेजों एवं सीमाओं तक प्रतिबंधित रहेगा जैसा कि बिहार सरकार द्वारा समय-समय पर विहित किया जाय।
फाउन्डेशन की आय एवं सम्पत्ति का कोई भी हिस्सा किन्हीं व्यक्तियों को भुगतान नहीं किया जायेगा या प्रत्यक्ष रूप से अथवा लाभांश या अन्य किसी रूप में अन्तरित नहीं किया जायेगा, जो व्यक्ति किसी समय में फाउन्डेशन के सदस्य रहे हों अथवा उनके माध्यम से दावा करने वाले किसी व्यक्ति को भी ऐसा लाभांश अन्तरित नहीं किया जायेगा। परन्तु यह बन्धेज किसी सदस्य या अन्य व्यक्ति को उनके द्वारा फाउन्डेशन को दी गई सेवाओं के लिये पारिश्रमिक तथा यात्रा भत्ता इत्यादि प्रासंगिक खर्चों एवं अन्य किन्हीं शुल्कों के भुगतान को निषिद्ध नहीं करेगा।
- 1.7 सरकार की शक्तियाँ
सरकार फाउन्डेशन के कार्य एवं प्रगति की समीक्षा करने, इसके मामलों की जाँच करने तथा इन पर प्रतिवेदन देने के लिये एक या अधिक व्यक्तियों की नियुक्ति कर सकेगी। ऐसे किसी प्रतिवेदन के आधार पर उसमें वर्णित मामलों के सम्बन्ध में सरकार को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान कर कोई कदम उठा सकेगी तथा फाउन्डेशन के लिये उक्त निदेश का अनुपालन बाध्यकारी होगा।
सरकार विशेष आदेश के द्वारा फाउन्डेशन को विघटित कर सकेगी अथवा उसकी अवधि विस्तारित कर सकेगी, यदि फाउन्डेशन के लिये नियत लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उसके कार्य सम्पादन के आलोक में ऐसा अपेक्षित हो।
फाउन्डेशन में किसी पद के सृजन का अधिकार सरकार में निहित है।
- 1.8 विघटन
फाउन्डेशन एक स्थाई संस्था होगी, परन्तु अगर किसी कारण से इसका विघटन किया जाता है तो फाउन्डेशन के विघटन के फलस्वरूप इसके सभी कार्यों और देनदारियों के पूर्ण निपटारा होने के उपरान्त शेष बचने वाले धन एवं सम्पत्ति को फाउन्डेशन के सदस्यों को भुगतान अथवा उनके बीच बंटवारा नहीं किया जायेगा बल्कि उनका निष्पादन उस प्रकार से किया जायेगा जैसा कि सरकार तय करेगी।
- 1.9 शासी परिषद (गवर्निंग बॉडी) का गठन
फाउन्डेशन के शासी परिषद के निम्नांकित सदस्य होंगे :-
- | | | | |
|------|--|---|------------|
| (1) | माननीय मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार सरकार | - | अध्यक्ष |
| (2) | प्रधान सचिव, पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार सरकार | - | उपाध्यक्ष |
| (3) | सचिव, वित्त विभाग, बिहार सरकार | - | सदस्य |
| (4) | प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार | - | सदस्य |
| (5) | मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार | - | सदस्य सचिव |
| (6) | क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना, बेतिया | - | सदस्य |
| (7) | उप-निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना, प्रमंडल-1, बेतिया | - | सदस्य |
| (8) | उप-निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना, प्रमंडल-2, बेतिया | - | सदस्य |
| (9) | सदस्य, बिहार विधान सभा, बगहा या रामनगर, गौनाहा | - | सदस्य |
| | विधान सभा क्षेत्रों में से राज्य सरकार द्वारा मनोनीत कोई एक सदस्य | | |
| (10) | अध्यक्ष, जिला परिषद, पश्चिमी चम्पारण | - | सदस्य |
| (11) | सरकार के द्वारा मनोनीत वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र के एक लब्ध प्रतिष्ठित वैज्ञानिक | - | सदस्य |
- 1.10 सदस्यता की समाप्ति

- (क) नामित सदस्य का कार्यकाल उनके नामांकन की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए होगा।
- (ख) शासी परिषद के जो सदस्य विभिन्न सरकारी पदों के पदधारक की हैसियत से सदस्य होते हैं; जब उक्त पद के पदधारक नहीं रहेंगे तो शासी परिषद की उनकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- 1.1.1 शासी परिषद के कार्य एवं शक्तियाँ
शासी परिषद की शक्तियाँ एवं कार्य निम्नांकित होंगे :-
- (क) वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 के उपबंधों के अनुरूप फाउन्डेशन की नीति बनाना।
- (ख) फाउन्डेशन के अंकेक्षित लेखा एवं बैलेंस शीट पर विचारण एवं उसका अनुमोदन करना।
- (ग) फाउन्डेशन के वार्षिक प्रतिवेदन पर विचारण एवं अनुमोदन।
- (घ) फाउन्डेशन के निधि-प्रवाह, कार्य-योजना तथा वार्षिक बजट का अनुमोदन।
- (ङ) सरकार के अनुमोदन की शर्त पर फाउन्डेशन के नियमों में यदि आवश्यक समझा जाय तो संशोधन करना।
- (च) फाउन्डेशन की प्रचालन नियमावली का अनुमोदित करना।
- (छ) फाउन्डेशन के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न सरकारी विभागों, सरकारी संस्थानों एवं गैर-सरकारी संगठनों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने में सहयोग करना।
- (ज) फाउन्डेशन के मामलों का व्यवस्थित करने के लिए ट्रस्ट डीड के उपबंधों के अन्तर्गत नियम और विनियमन तैयार करना।
- (झ) फाउन्डेशन के कोष को बढ़ाने और निवेश के संबंध में सभी नीतिगत निर्णय लेना।
- (त्र) शासी परिषद के द्वारा फाउन्डेशन के किसी परियोजना अथवा कार्य का निलंबन या बन्द करना।
- (ट) ट्रस्ट के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक तरीके से शासी परिषद की बैठक आयोजित करना।
- (ठ) वैसे अन्य कार्य जो फाउन्डेशन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये उपयुक्त एवं अनिवार्य हों।
- 1.1.2 शासी परिषद की कार्यवाहियाँ
- (i) शासी परिषद की बैठक एक वर्ष में कम से कम दो बार होंगी जिसके लिये समय, तिथि और स्थान का निर्धारण अध्यक्ष द्वारा किया जायगा।
- (ii) शासी परिषद की सभी बैठकों के 15 दिन पूर्व सदस्य-सचिव द्वारा हस्ताक्षरित सूचना सभी सदस्यों को दी जायेगी तथा किसी विशेष बैठक की परिस्थिति में भी इसकी सूचना कम से कम 15 दिनों पूर्व दी जायेगी। वार्षिक अथवा किसी अन्य बैठक में कार्यों की संक्षिप्त सूचना इसके सदस्यों को कम-से-कम एक सप्ताह पूर्व परिचालित की जायेगी।
- (iii) सदस्यों द्वारा किसी भी बैठक की सूचना की प्राप्ति में विलंब अथवा सूचना की अप्राप्ति के आधार पर किसी बैठक की कार्यवाही की विधिमान्यता समाप्त नहीं होगी।
- (iv) अध्यक्ष की अनुपस्थिति में शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष द्वारा की जाएगी।
- (v) शासी परिषद की बैठक का कोरम सदस्यों की एक तिहाई संख्या से पूरा होगा तथा स्थगित बैठक का कोरम उपस्थित सदस्यों की संख्या से सुनिश्चित होगा।
- (vi) शासी परिषद की बैठक में सभी विवादित प्रश्नों एवं मुद्दों का समाधान मतदान द्वारा किया जायेगा तथा मतों की बराबरी की स्थिति में बैठक के अध्यक्ष का मत निर्णायक होगा।
- 1.1.3 शासी परिषद का कार्यालय एवं प्राधिकार
- (1) क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना फाउन्डेशन के कार्यालय के प्रधान होंगे जो कि कार्यकारी निदेशक के नाम से जाने जायेंगे और उनकी सहायता हेतु अन्य पदाधिकारी होंगे जिनको शासी परिषद द्वारा पदनामित किया जाएगा।
- (2) शासी परिषद के सदस्य जो कि अपने सरकारी पदधारण के हैसियत से सदस्य होंगे, इस फाउन्डेशन के स्थायी सदस्य होंगे जो कि उक्त सरकारी पदधारण की अवधि तक ही सदस्य रहेंगे।
- (3) फाउन्डेशन के सृजन के उद्देश्य से गठित न्यासियों के परिषद के कार्यकारी निदेशक, क्षेत्र निदेशक वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना होंगे।
- (4) फाउन्डेशन के प्रशासनिक कार्यकलापों का निष्पादन कार्यकारी निदेशक करेंगे।
- (5) फाउन्डेशन के दिन-प्रतिदिन के कार्यकलापों के निष्पादन हेतु कार्यकारी निदेशक की सहायता के लिये एक कार्यकारी सचिव होंगे।
- (6) कार्यकारी सचिव, प्रबंधन एवं वित्तीय मामलों में योग्यता एवं अनुभव वाले पेशेवर पदाधिकारी होंगे।

- (7) कार्यकारी सचिव की नियुक्ति कार्यकारी समिति के निर्णयानुसार, अनुबंध तथा वेतनादि पारिश्रमिक एवं शर्तों के अंतर्गत की जायेगी।
- (8) कार्यकारी सचिव, कार्यकारी निदेशक के निर्देशन एवं आदेशों का पालन करेंगे। वे कार्यकारी निदेशक द्वारा उन्हें आवंटित उत्तरदायित्व एवं कार्यों का निष्पादन करेंगे।
- 1.1.4 कार्यकारी समिति
- फाउन्डेशन के कार्यकलाप का प्रशासन कार्यकारी समिति, जो निम्न रूप से गठित होगी द्वारा फाउन्डेशन के नियमों एवं शर्तों और आदेशों के अनुरूप किया जाएगा:-
- (1) वन संरक्षक-सह-क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना - अध्यक्ष
 - (2) उप-निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना, प्रमंडल-1, बेतिया - सदस्य
 - (3) उप-निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना, प्रमंडल-2, बेतिया - सदस्य
 - (4) अध्यक्ष, वन विकास अभिकरण, बेतिया-1 तथा बेतिया-2 - सदस्य
- के द्वारा मनोनीत दोनों अभिकरणों की कार्यकारिणी से मनोनीत एक-एक सदस्य जो इको-विकास समिति के सदस्य होंगे।
- (5) शासी पत्रद्वारा मनोनीत वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना - सदस्य
 - (6) सहायक वन संरक्षक, कार्यालय क्षेत्र निदेशक, - सदस्य
- वाल्वीकि व्याघ्र परियोजना, बेतिया
- मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल उनके नामांकन की तिथि से दो वर्षों के लिए होगा।
- 1.1.5 कार्यकारी समिति के कार्य एवं शक्तियाँ
- (क) फाउन्डेशन की लक्ष्यों की उपलब्धि हेतु प्रयास एवं एतद् संबंधित सभी कार्यों का सम्पादन करना कार्यकारी समिति की जिम्मेवारी होगी। तत्प्रयोजनार्थ कार्यकारी समिति सभी प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियों का प्रयोग करेगी जिसमें सभी प्रकार के व्यक्तियों का नियमानुसार नियोजन एवं नियुक्ति सम्मिलित होगी।
 - (ख) कार्यकारी समिति फाउन्डेशन के सभी मामलों तथा निधियों का नियंत्रण एवं प्रबंधन करेगी।
 - (ग) कार्यकारी समिति को फाउन्डेशन के उद्देश्यों की पूर्ति के निमित्त अन्य लोक संगठनों तथा निजी संस्थानों के साथ सहयोग की व्यवस्था करेगी।
 - (घ) कार्यकारी समिति को निधि जुटाने, अनुदान, दान तथा उपहार ऐसे प्रावधानों, शर्तों एवं बन्धनों के तहत प्राप्त करने की शक्तियाँ रहेंगी, जो फाउन्डेशन के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों तथा सरकार के हितों से असंगत या उसके प्रतिकूल न हो तथा जो शासी पत्रद्वारा के अनुमोदन के अनुरूप हो।
 - (ङ) कार्यकारी समिति को फाउन्डेशन के नाम से चल-अचल सम्पत्तियों के क्रय, अधिग्रहण या दान या अन्य विधि से सरकार, अन्य लोक संस्थान या निजी संस्थानों या व्यक्तियों से वैसे शर्तों, प्रावधानों एवं अपेक्षाओं के तहत प्राप्त करने की शक्ति होगी, जो फाउन्डेशन के उद्देश्यों से असंगत नहीं हो एवं इन नियमों के प्रावधानों तथा शासी पत्रद्वारा के अनुमोदन के अनुरूप हों।
 - (च) कार्यकारी समिति वाल्वीकि व्याघ्र परियोजना प्रबंधन को जैव-विविधता संरक्षण के सभी प्रयासों में समर्थन हेतु सभी आवश्यक पहल करेगी।
 - (छ) शासी पत्रद्वारा के द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य करना।
- 1.1.6 कार्यकारी समिति के अन्य कार्य
- (क) अन्य कार्य विभागों का वाल्वीकि व्याघ्र परियोजना प्रबंधन के साथ समन्वयन करना।
 - (ख) वाल्वीकि व्याघ्र अभयारण्य के प्रबंधन की आम-समीक्षा कर परामर्श देना।
- 1.1.7 जिला स्तरीय समन्वयन
- जिला स्तरीय योजना निर्माण में इको विकास पहलुओं एवं अवयवों को सम्मिलित किया जायेगा। इस संबंध में कार्यकारी समिति संबंधित जिला स्तरीय विभागों से समन्वयन करेगी ताकि वाल्वीकि व्याघ्र अभयारण्य एवं संलग्न क्षेत्र में इस पहलू का समावेश किया जाय। कार्यकारी समिति द्वारा स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन बाधाओं के समाधान हेतु त्रैमासिक समीक्षा की जायेगी।
- 1.1.8 कार्यकारी समिति की कार्यवाही
1. कार्यकारी समिति की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष एवं उनकी अनुपस्थिति में वाल्वीकि व्याघ्र परियोजना के प्रभारी वरीय उप-निदेशक द्वारा की जायेगी।
 2. कार्यकारिणी समिति की बैठक में कोरम समिति के एक-तिहाई सदस्यों से हो सकेगी एवं स्थगित बैठक के लिये कोरम अनिवार्य नहीं होगा।
 3. कार्यकारिणी समिति की बैठक के लिये सामान्यतः सात दिनों की अग्रिम सूचना प्रत्येक सदस्य को दी जायेगी, परन्तु

- (क.) अध्यक्ष द्वारा तीन दिनों की सूचना पर विशेष आपात बैठक आहुत की जा सकेगी।
 (ख.) किसी सदस्य को सूचना देने/ प्राप्त होने में हुई किसी अपरिहार्य भूल-चूक के कारण किसी बैठक की कार्यवाही अमान्य नहीं होगी।
4. कार्यकारिणी समिति की आहुत बैठक की प्रत्येक सूचना में बैठक की तिथि, समय एवं स्थान बतायी जायेगी जो इन नियमों के प्रावधानों के अनुरूप होगा।
 5. कार्यकारिणी समिति की समय-समय पर यथा आवश्यक बैठक की जायेगी। परन्तु प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक बार इसकी बैठक अवश्य की जायेगी।
 6. कार्यकारी समिति के अध्यक्ष सहित प्रत्येक सदस्य को एक मत होगा तथा किसी मुद्दे अथवा मामले पर मत-विभाजन में बराबर मतों की स्थिति में अध्यक्ष को निर्णायक मत उपलब्ध रहेगा।
- 1.1.9 कार्यकारी निदेशक के कार्य
 कार्यकारी निदेशक शासी पर्वद तथा कार्यकारी समिति के सभी निर्णयों का कार्यान्वयन करेंगे जिसके लिए निम्नांकित शक्तियों का प्रयोग करेंगे :-
- 1.2.0 कार्यकारी निदेशक की शक्तियाँ :-
- (क) फाउन्डेशन की ओर से किन्हीं व्यक्ति या संस्थान से योगदान-नकद या अन्य स्वरूप में वैसे उपबन्धों के अन्तर्गत प्राप्त कर सकेंगे जो फाउन्डेशन के उद्देश्य के सुसंगत हो तथा सरकार द्वारा नियत सामान्य शर्तों के अधीन हो।
 - (ख) फाउन्डेशन के प्रयोजनों के लिये किन्हीं चल एवं अचल सम्पत्तियों (फर्नीचर, वाहन, पुस्तक, औजार संयंत्र, वाहन सहित) का क्रय कर सकेंगे, पट्टे या किराये पर ले सकेंगे अथवा अन्य वैधानिक प्रकार से प्राप्त कर सकेंगे जैसा कि शासी पर्वद या कार्यकारी समिति द्वारा तय किया गया हो।
 - (ग) फाउन्डेशन के सामान्य प्रशासन का नियंत्रण तथा फाउन्डेशन के कार्मियों एवं कार्यकर्ताओं का नियंत्रण तथा उनको पारिश्रमिक इत्यादि का भुगतान करेंगे।
 - (घ) बैंको में लेखाओं को खोलने एवं संचालित करने तथा चेक, सिक्कुरिटी एवं अन्य निगोशियेबल फाइनान्सियल इन्स्ट्रुमेंट पर हस्ताक्षर एवं एन्डोर्समेंट करेंगे।
 - (ङ) कार्यकारी समिति एवं शासी परिषद के निदेशानुसार न्यास के तरफ से अभियोजन संचालित करने, कानूनी वादों में न्यास के वैधानिक हितों का प्रतिरक्षण करने, आर्बिट्रेशन में प्रशमन या सुलह करने या न्यास के किसी दावे का प्रतिरक्षण करने अथवा उसका परित्याग करने हेतु सभी दस्तावेजों, एवं शपथ-पत्रों पर हस्ताक्षर करने की शक्ति रहेगी।
- 1.2.1 कार्यकारी निदेशक, फाउन्डेशन के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी होंगे तथा वे फाउन्डेशन के सभी प्रशासनिक कार्यों का सम्पादन करायेंगे एवं फाउन्डेशन के सभी अभिलेखों, परिसम्पत्तियों तथा सामानों के संरक्षक होंगे।
- 1.2.2 कार्यकारी निदेशक आम सभा की बैठक, उप-समिति की बैठक की कार्यवाही का संधारण एवं प्रेषण तथा न्यास के सभी पंजियों एवं अभिलेखों का संधारण करायेंगे।
- 1.2.3 कार्यकारी निदेशक, अपनी वैसी कार्यालय की शक्तियों एवं कार्यों का प्रत्यायोजन कर सकेंगे जैसा कि प्रशासनिक एवं प्रक्रियात्मक नेमी कार्य के बाधित नहीं होने के लिये अनिवार्य प्रक्रिया के अंतर्गत किये जा सकेंगे तथा ऐसे सभी प्रत्यायोजन सुस्पष्ट तौर पर अभिव्यक्त एवं विनिर्दिष्ट होगी तथा तुरंत कार्यकारी समिति को संसूचित की जायेगी।
- 1.2.4 अन्य मामले
- (क) कार्यकारी निदेशक, सेमिनार, कार्यशाला, इत्यादि का आयोजन कर सकेंगे तथा फाउन्डेशन की पुस्तिकाओं एवं अनुसंधान सामग्री का प्रकाशन करा सकेंगे।
 - (ख) विभिन्न वित्तीय एजेंसियों से वित्तीय समर्थन प्राप्त करने हेतु परियोजना एवं कार्यक्रमों का सूत्रण एवं समर्पित करने हेतु कार्यकारी निदेशक उपयुक्त कार्रवाई करेंगे।
 - (ग) राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जो फाउन्डेशन के उद्देश्यों के समरूप उद्देश्यों से संबंधित हों, कार्यकारी निदेशक उनसे संपर्क स्थापित कर सकेंगे।
 - (घ) कार्यकारी निदेशक वाल्मीकि व्याघ्र अभयारक्ष से संबंधित आंकड़ों एवं सूचनाओं का डाटा बैंक का संधारण करेंगे तथा इसके लिये उपयुक्त तंत्र की व्यवस्था करेंगे।
- 1.2.5 फाउन्डेशन की निधियाँ
- (क) फाउन्डेशन अपने उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यों के संचालन के निमित्त विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय श्रोतों से निधि अर्जन की व्यवस्था एवं संचयन कर सकेंगी। ये निधियाँ दो प्रयोजनों के लिये अर्जित की जायेगी :-
- I. वाल्मीकि व्याघ्र अभयारक्ष एवं संलग्न क्षेत्र में जैव-विविधता प्रबंधन, ग्रामीण इको-डेवलपमेंट, प्रचार-प्रसार, जन जागरण एवं प्रबोधन तथा अनुसंधान कार्यों के लिये योजनाओं का सूत्रण, रूपांकन तथा विकास एवं उनकी परियोजनाओं का क्रियान्वयन।

- II. वाल्मीकि व्याघ्र अभयारक्ष एवं संलग्न क्षेत्र में जैव-विविधता के संरक्षण हेतु “संचित (कॉरपस) निधि” का सृजन, संचयन एवं संचालन।
- (ख) विदेशी सरकारों, संस्थाओं, संगठनों तथा एजेंसियों से अनुदान, दान या उपहार एवं किसी प्रकार की सहायता की राशियाँ सरकारी नियमों के तहत प्राप्त एवं उपयोग की जा सकेंगी।
- (ग) वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना की परिसम्पत्तियाँ सरकार की बनी रहेगी।
- 1.2.6 कार्यकारी समिति फाउन्डेशन के लिए संबंधित बैंको का चयन करेगी। सभी निधियाँ फाउन्डेशन की बैंक लेखा में जमा की जायेगी तथा उनकी निकासी कार्यकारी समिति द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारियों के हस्ताक्षर से केवल चेक द्वारा की जा सकेंगी।
- 1.2.7 लेखा तथा अंकेक्षण
- (क) फाउन्डेशन का उपयुक्त लेखा एवं अन्य प्रासंगिक अभिलेख संधारित किया जायेगा तथा वार्षिक लेखा जिसमें प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा तथा परिसम्पत्तियों एवं देनदारियों का ब्यौरा रहेगा, ऐसे प्रपत्रों में तैयार किये जायेंगे जैसा कि विहित किया जाय।
- (ख) फाउन्डेशन के लेखा का वार्षिक अंकेक्षण शासी परिषद द्वारा नियुक्त या प्राधिकृत चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट या अन्य ऐजेंसी से कराया जायेगा।
- (ग) अंकेक्षित लेखा शासी परिषद को समर्पित किये जायेंगे जिसे शासी परिषद द्वारा प्राप्ति के 90 दिनों के अन्दर अंकेक्षण प्रतिवेदन की प्रति अपने प्रेक्षकों के साथ राज्य सरकार को समर्पित करेगी।
- 1.2.8 न्यास फाउन्डेशन का वार्षिक प्रतिवेदन
फाउन्डेशन के संचालन पर तथा इसके द्वारा विगत वर्ष के सम्पादन में सम्मिलित कार्यों तथा बैलेंस शीट एवं अंकेक्षित लेखा के साथ वार्षिक प्रतिवेदन कार्यकारी समिति द्वारा शासी परिषद के सूचना हेतु तैयार की जायेगी। शासी परिषद की वार्षिक सामान्य बैठक में वार्षिक प्रतिवेदन का प्रारूप जिसके साथ अंकेक्षित लेखा तथा अंकेक्षण का प्रतिवेदन संलग्न हो, प्रस्तुत किया जायेगा।
- 1.2.9 वित्तीय विनियमन
क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना की शक्तियाँ :-
क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना फाउन्डेशन के कार्यकारी निदेशक होंगे जो फाउन्डेशन के किया-कलापों एवं निधियों के समुचित प्रशासन के लिये जिम्मेवार होंगे तथा शासी परिषद के मार्गदर्शनों एवं निर्देशों के अर्न्तगत वाल्मीकि व्याघ्र अभयारक्ष प्रबंधन के विभिन्न किया-कलापों का दक्ष एवं कुशल क्रियान्वयन मिशन के रूप में सुनिश्चित कराने हेतु उत्तरदायी होंगे। कार्यकारी निदेशक, वाल्मीकि फाउन्डेशन के सभी तकनीकी, प्रशासनिक, वित्तीय एवं अनुशासनिक प्राधिकार एवं शक्तियों का प्रयोग जो बिहार सरकार/ शासी परिषद / कार्यकारी समिति द्वारा उन्हें सौंपी एवं प्रत्योजित की जाय एक विभागाध्यक्ष के रूप में करेंगे।
- 1.3.0 शासी परिषद एवं कार्यकारी समिति की वार्षिक आम बैठक प्रत्येक वर्ष की जायेगी जिसमें विगत वर्ष के अंकेक्षित लेखा तथा चालू वर्ष के आय-व्यय को प्रस्तुत कर उनपर चर्चा कर उन्हें स्वीकृत किया जायेगा। आम सभा की बैठक का गणापूर्ति समस्त सदस्यों के आधे से हो सकेगी।
- 1.3.1 शासी परिषद तथा कार्यकारी समिति के प्रत्येक बैठक की कार्यवाही अभिलेख पृथक रूप से तत्प्रयोजनार्थ संधारित पुस्तिका में दर्ज किये जायेंगे तथा उनमें बैठकों में निष्पादित कार्य विषयों को अभिलिखित किया जायेगा। उक्त कार्यवाही अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित होने पर निष्पादित कार्यों के निर्णायक प्रमाण माने जायेंगे।
- 1.3.2 फाउन्डेशन के प्रतिनिधि के रूप में कार्यकारी समिति इसकी निधियों तथा परिसम्पत्तियों एवं समय-समय पर उसके संचयित निधि में प्राप्तियों अनुदानों, उपहार एवं अन्य वित्त का धारक एवं जिम्मेवार होगा।
- 1.3.3 कार्यकारी समिति यदि ऐसा आवश्यक समझे तो किसी कार्यान्वित हो रहे परियोजना या कार्यक्रम के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन हेतु उप-समिति की नियुक्ति कर सकेगा।
- 1.3.4 जब किसी आवंटन का उपयोग ऐसे प्रयोजनों के लिये किया जाता हो जिसे शासी परिषद अनुशंसित नहीं करे, तो उसके लिये शासी परिषद निधि विमुक्ति एवं व्यय को अवरुद्ध कर सकेगा एवं वैसी कार्रवाई प्रारम्भ कर सकेगा जैसा कि आवश्यक लगे। ऐसी कार्रवाई करने के पूर्व परियोजना या कार्यक्रम कार्यन्वयन करने वाले ऐजेंसी या व्यक्ति को एक सुनवाई का अवसर प्रदान किया जायेगा।
- 1.3.5 फाउन्डेशन के लिये वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल से 31 मार्च तक निर्धारित रहेगा।
- 1.3.6 फाउन्डेशन के विभिन्न क्रिया-कलापों के सम्पादन में जहाँ प्रासंगिक एवं युक्त-युक्त हों, बिहार वित्त नियमावली के प्रावधानों तथा बिहार सेवा संहिता के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

- 1.3.7 कार्यकारी समिति, क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र अभ्यारक्ष अथवा अपने किसी सदस्य या फाउन्डेशन के किसी पदाधिकारी को ऐसी प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन कर सकेंगे एवं ऐसे कार्यों का सम्पादन एवं निष्पादन सौंप सकेंगे जैसा कि कार्यकारी समिति उपयुक्त एवं आवश्यक समझे।
- 2.1 नियमों में संशोधन :-
शासी परिषद के अनुमोदन से फाउन्डेशन के नियमों में संशोधन, विस्तार एवं समामेलन किया जा सकेगा।
- 2.2 इन नियमों में उल्लेखित जब कभी किसी विभाग, संस्थान या पदनामों में कोई परिवर्तन होगा तो वैसे परिवर्तन स्वतः इन नियमों में प्रतिस्थापित हो जायेंगे।
- 2.3. विनिमयन
फाउन्डेशन को किसी विनिर्दिष्ट निदेश के प्रावधानों के अनुरूप न्यास/ फाउन्डेशन के कार्य विषयों के प्रशासन तथा प्रबंधन हेतु विनिमयन जो इन नियमों से असंगत या प्रतिकूल नहीं हों, बनाने या उसमें संशोधन करने का अधिकार होगा। ऐसे विनिमय इन नियमों के सामान्य प्रावधानों के पूर्वाग्रह के बिना अन्य मामलों के अलावे निम्नांकित प्रावधानों के सम्बंध में होंगे -
- (i) पदाधिकारी एवं स्टाफ की सेवा संबंधी मामले - जिसमें पदों का सृजन, अर्हताएँ, चयन प्रक्रिया, सेवा शर्तें, वेतन एवं सुविधायें, अनुशासन एवं नियंत्रण सम्मिलित होगा। पदों के सृजन हेतु राज्य सरकार की पूर्वानुमति प्राप्त की जायेगी।
 - (ii) महत्वपूर्ण वित्तीय मामले एवं पहलू जिनमें आय-व्यय का सूत्रण, क्रय-प्रक्रिया, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन, निधि का निवेश, लेखा का संधारण तथा अंकेक्षण इत्यादि।
 - (iii) अन्य मामले जो फाउन्डेशन के लक्ष्यों की पूर्ति तथा फाउन्डेशन के कार्यविषयों के सुव्यस्थित प्रशासन के लिए आवश्यक लगे। इस संदर्भ में सेवा तथा वित्तीय विनिमयन बनाने अथवा पदों के सृजन में निम्नांकित मार्गदर्शन को ध्यान में रखना होगा :-
 - (क) शासी परिषद द्वारा सृजित पदों के वास्ते जहां तक सम्भव हो, वेतन का प्रावधान राज्य सरकार के अंतर्गत पदों के वेतन के समतुल्य होगा तथापि विशेष पेशेवर दक्षता एवं कार्य अनुभव की परिस्थिति में शासी परिषद के अनुमोदन से अतिरिक्त वेतनादि का निर्धारण किया जा सकेगा।
 - (ख) फाउन्डेशन के द्वारा सृजित पदों पर भर्ती के लिए स्थानांतरण पर प्रतिनियुक्ति अथवा लघु-कालिक अनुबंध पर की जा सकेगी। विनिर्दिष्ट कार्यों से संबंधित विभिन्न प्रतिनियोजनों के लिए निर्धारित वेतनादि या शुल्क अनुबंध के आधार पर की जा सकेगी जिसे वार्षिक तौर पर पुनरीक्षण किया जा सकेगा यदि ऐसा उपयुक्त लगे।
 - (ग) वित्तीय अनुशासन, मितव्ययिता तथा आर्थिक दक्षता को ध्यान में रखा जायेगा।
- 2.4 सरकार की शक्तियाँ
राज्य सरकार समय-समय पर फाउन्डेशन की कार्यप्रणाली की पुनरीक्षा करेगी तथा फाउन्डेशन के मामलों के संबंध में आवश्यक समझे जाय ऐसे निदेश जारी करेगी।
3. निम्नांकित गवाहों के समक्ष
न्यासियों द्वारा उपरोक्त में अंकित दिन, महीना तथा वर्ष इस दस्तावेज को बनाया गया है।

न्यासियों का हस्ताक्षर तथा नाम

.....
.....
.....
.....

गवाह

हस्ताक्षर, नाम तथा पता

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शुभकीर्ति मजुमदार,
सरकार के प्रधान सचिव।

Valmiki Tiger Conservation Foundation
Rules

Under the provisions made in section 38 X of the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972) (amended in 2006) the government has constituted the Valmiki Tiger conservation Foundation/Trust to facilitate Tiger and Bio-Diversity conservation, management and eco-development of Valmiki Tiger Reserve. For carrying out the functions of the Foundation smoothly and to effectively utilize the powers conferred in the relevant sections of the above mentioned Act the following rules are made in light of the guidelines issued by the Government of India:

1.1 Title:

These Rules shall be called “Valmiki Tiger Conservation Foundation Rules.”

1.2 Extent

These Rules shall extend to all the units of the Foundation and to activities sponsored and executed by or on behalf of the Foundation.

1.3 Commencement:

These rules shall come in to force from the date on which the Rules are notified by the Government.

1.4 Definitions

In these rules, unless there is anything repugnant in the subject of context-

- (a) “Officers and staff” shall mean all full time employees of the Trust/Foundation appointed by the Executive Committee or by any authority or officer delegated with the powers to do so and would include consultants, contracted professionals, staff on deputation and village facilitators.
- (b) “Director” shall mean the Field Director, Valmiki Tiger Project, Bettiah, West Champaran appointed by the Government of Bihar.
- (c) “Government “ means Government of Bihar.
- (d) The Chairman shall mean the President of the Governing Body of the Foundation who has been appointed by the state government.

1.5 Functions of the foundation

1.5.1 In pursuance of the above objectives, the Foundation shall be take up all such necessary activities as are required to fulfill its objectives. The basic role of the Foundation is to support the management of Valmiki Tiger Project in biodiversity conservation initiatives and it shall not in any way be directly involved in the implementation process.

1.5.2 80 Eco-Development committees have been constituted in Valmiki Wildlife

Sanctuary and its adjoining areas are confederated under two confederations which are working as registered societies named as Forest Development Agency- Bettiah-1 and Forest Development Agency- Bettiah-2. This foundation shall co-operate both the Forest Development Agencies and Valmiki Tiger Project management and assist them in direction and supervision of the Eco-Development works carried out by these Eco-Development Committees.

1.6 Property, Assets and Liabilities

The income and property of the foundation, howsoever, derived shall be used solely towards promotions of the objectives as set- forth above,

subject to the condition that in respect of expenditure of grants made by the Govt. of Bihar, they will be used subject to such limitation as the Government may impose from time to time. No portion of the income or property of the Foundation shall be paid or transferred by way of dividend or otherwise, howsoever by way of profit to the persons who at any time have been members of the Foundation or any person claiming through them provided that nothing here on contained shall prevent the payment of remuneration, traveling allowance or other charges to any member there of or other persons in return for any service rendered to the Foundation.

1.7 Powers of Government

State Government may appoint one or more persons to review the work and progress of the Foundation and to hold enquiries in to the affairs thereof and to report thereon to the Government. Upon receipt of any such report, the Government may take such action it deems fit and issue such directions it may consider necessary in respect of any matter dealt with in the report after giving the Foundation an opportunity of being heard and the Foundation shall be bound to comply with such directions. The Government may by special order dissolve or extend the existence of the Foundation, if necessary, keeping in view the performance of the Foundation in achieving the objective assigned thereto.

The power to create any posts for the Foundation is vested with the Government.

1.8 Dissolution

Foundation is a permanent institution, but due to any special circumstances if a decision is taken to wind up or dissolve the Foundation place, the remaining assets and properties after completely meeting all its debts and liabilities shall not be paid to or distributed among the members of the foundation but shall be disposed off in such manner as the state government may determine.

1.9 Composition of Governing Body

The Governing Body will consists of the following members

- | | |
|--|------------------|
| (1) Hon'ble Minister Environment & Forest, Govt. of Bihar – | Chairman |
| (2) Principal Secretary to Govt. (Env.& Forests) Bihar – | Vice Chairman |
| (3) Principal Secretary to Govt., Finance, Bihar - | Member |
| (4) Principal Chief Conservator of Forests, Bihar - | Member |
| (5) Chief Wildlife Warden, Bihar - | Member Secretary |
| (6) Field Director, Valmiki Tiger Project, - | Member |
| (7) Deputy Director, Valmiki Tiger Project Division-1 - | Member |
| (8) Deputy Director, Valmiki Tiger Project Division-2 - | Member |
| (9) One Member of legislative Assembly (from Ramnagar, Bagaha and Gaunaha constituencies to be nominated by the state Government) | Member |
| (10) Chairman, District Three Tier Panchayat Board, W. Champaran – | Member |

- (11) An expert in wild life conservation and one experienced scientist to be nominated by the state government

Members

1.10 Cessation of Membership

- (a) The tenure of the nominated members shall be three years from the date of his nomination.
- (b) A member of the Governing Body who becomes a member by reason of the office or appointment he holds, his membership of Governing Body shall terminate when he ceases to hold that office or appointment.

1.11 Powers and Functions of the Governing Body

The Governing Body shall have the following powers and functions:-

- (a) To formulate the policies of the Foundation in line with the provisions of the Wildlife (Protection) Act 1972.
- (b) To consider and approve the balance-sheet and audited Account of the Foundation.
- (c) To consider and approve the Annual report of Foundation.
- (d) To approve the flow of funds, work plan and annual budget.
- (e) To amend, if found necessary, the Rules of Foundation in anticipation of approval of Govt.
- (f) To Approve the Steering Rules of the Foundation.
- (g) To facilitate effective coordination between different government departments, other government institutions and non governmental organizations for achieving the objectives of the foundation
- (h) To frame such Rules and Regulations in conformity with general provisions of Trust Deed for the better management of the Foundation.
- (i) To take policy decisions in all matters relating to enhancing the funds, investment and Budget of the foundation.
- (j) To, suspend or terminate the certain project or work of the foundation or effect of any other procedures.
- (k) To convene meetings of the Governing body to achieve the objectives of the Foundation whenever necessary.
- (l) Any other works which may be useful and necessary for achieving the objectives of the foundation.

1.12 Proceedings of the Governing Body

- (i) The meetings of the Governing Body shall be held at least twice a year at the time, date and place as may be determined by the Chairman.
- (ii) The Member Secretary of the Governing body will issue a written notice 15 days prior to the date of meeting to all the members and in case of any special meeting too notice shall be given at least 15 days in advance. A summary of the business to be transacted at the annual and other meetings be circulated among the members in advance.
- (iii) Delayed or non-receipt of the notice of any meeting by any member shall not invalidate the proceedings of the meeting.
- (iv) In absence of Chairman, Vice-Chairman will chair the meetings of Governing Body.

- (v) One third of the members of the Governing Body present in person shall form a quorum at every meeting of the Governing Body and the quorum of any adjourned meeting shall be determined by persons present in the meeting.
- (vi) In case of a dispute on any matter in the meetings of the Governing Body, the matter shall be decided by vote and in case of a tie, the chairman will have the casting vote.

1.13 Office and Authorities of the Governing Body

- (1) Field Director Valmiki Tiger project shall be the head of the office of the Foundation who shall be known as Executive Director and he will be assisted by such other persons as may be designated as such by the Governing Body
- (2) Board of Trustees who are members by virtue of their office shall be the permanent members of the foundation till such time as they hold the respective posts.
- (3) Field Director Valmiki Tiger project shall be the Executive Director of the Board of Trustees constituted for the purpose of the formation of the Foundation.
- (4) The Executive Director shall carry out the administrative functions of the Foundation.
- (5) There shall be an Executive Secretary to assist the Executive Director in carrying out the day to day affairs of the Foundation.
- (6) The Executive Secretary shall be an executive professional officer with sufficient back ground, aptitude and experience in matters related to management and financial matters.
- (7) Executive Secretary shall be appointed on contract basis on such remuneration and terms as decided by Executive committee.
- (8) Executive Secretary shall abide by the directions and orders of the Executives Director. He shall look after such responsibility and works as are allotted to him by the Executive Director.

1.14 Executive Committee

The affairs of the foundation shall be administered subject to the rules and regulations and orders of the Foundation, by an Executive Committee which shall consist of the following:-

- (1) Conservator of Forests-cum-Field Director Valmiki Tiger Project - Chairman
- (2) Divisional Forest officer –cum-Deputy Director, Valmiki Tiger Project , Division -1, Bettiah - Member
- (3) Divisional Forest officer –cum-Deputy Director, Valmiki Tiger Project , Division-2, Bettiah - Member
- (4) One member each from Executive Committee of Forest Development Agency Bettaih-1 and Bettiah-2 to be nominated by the Chairman, Forest Development Agency - Member
- (5) Two person from field staff of Valmiki Tiger project as nominated by Governing Body. - Member
- (6) Assistant Conservator of Forest, Office of the Field -Member Secretary

Director Valmiki Tiger Project, Bettiah. The tenure of the nominated members shall be two years from the date of nomination.

1.15 *Functions and Power of Executive Committee*

- a. It shall be the responsibility of Executive Committee to achieve the objectives of the Foundation and discharge all its functions. For this Executive committee shall exercise all administrative and financial power including powers to engage person of all descriptions and make appointments there on in accordance with regulations.
- b. Executive Committee shall control the management of all the affairs and funds of the foundation.
- c. Executive committee shall engage with other public and private organizations for cooperation in fulfilling its objectives.
- d. The Executive committee shall have powers for raising funds, securing and accepting endowments, grants-in-aid, donations or gifts to the Foundation on such mutually agreed terms and conditions which shall not be inconsistent with the objectives of the Foundations and interest of government or with provisions of these Rules subject to the approval of the Governing Body.
- e. The Executive Committee shall have the power to take over, acquire in the name of Foundation by purchase, gift or otherwise from government and other public bodies or private individuals, any movable and immovable properties on such terms and conditions which shall not be inconsistent with the objectives of the foundations and within the provisions of these rules subject to the approval of the Governing Body.
- f. The Executive Committee shall take all necessary steps to support the biodiversity conservation initiatives of Valmiki Tiger project.
- g. Perform any other works assigned by the Governing Body.

1.16 *Other works of Executive Committee*

- (a) Facilitate co-ordination with other Works Departments for Valmiki Tiger Project management.
- (b) Have a General review of overall management of Valmiki Tiger Project and make suggestions.

1.17 *District Level Coordination*

Eco Development aspects and components shall be included in the projects at district level. In this matter Executive Committee shall coordinate with district level departments so that this aspect is included in projects inside and around Valmiki Tiger Project and adjacent areas. The executive committee shall carry out tri monthly review to sort out problems in implementation at the local level.

1.18. *Proceedings of the Executive Committee*

1. Every meeting of the Executive committee shall be presided over by the Chairman and in his absence the senior Deputy Director of Valmiki Tiger project shall chair the meeting.
2. One third of the members of the Executive Committee present shall constitute a quorum at any meeting of the Executive Committee provided that no quorum shall be necessary in respect of any adjourned meeting.

3. Not less than seven clear days notice of every meeting of the Executive committee shall be given to each member of the Executive Committee, provided that:-
 - (a) The chairman may call special emergency meeting at the notice of three days.
 - (b) Any inadvertent/unavoidable omission in giving notice of the meeting to any member shall not invalidate the proceedings of the meeting.
4. Every notice calling a meeting of the Executive Committee shall state the date, time and place at which such meeting will be held which shall in accordance with these Rules.
5. The Executive Committee shall meet as and when necessary but shall meet at least once in every three months.
6. Each member of the Executive Committee including the Chairman shall have one vote and if there is a tie in the number of votes on any subject to be decided by the Executive Committee, the Chairman will have the decisive vote.

1.19. *The Power of the Executive Director*

The Executive Director shall execute all decisions taken by the Governing Body and Executive Committee. For this he shall have the following powers.

1.20 *The Executive Director shall have the following power*

- (a) To accept contributions on behalf of the Foundation either in cash or in kind from a person or institution on such terms which are in conformity with the objectives of the Foundation and on the general conditions laid down by the government.
- (b) To purchase, acquire, take on lease any movable and immovable property (Furniture, fixtures, books, conveyance) for the purpose of the Foundation in a legal manner as decided by the Governing Body or Executive Committee.
- (c) Control on general administration of the Foundation including powers to control staff and the workers of the Foundation and payment of their remuneration.
- (d) To open and operate accounts with banks and have power to sign and endorse cheques, securities and other negotiable financial instruments.
- (e) To steer prosecution on behalf of Foundation, protect the interests of the Foundation in legal cases, arbitration or compromise and to protect or forgo any claim of the Foundation as directed by the Executive committee for which he will have the power sign all such documents and affidavits as will be necessary.

1.21 The Executive Director shall be the Chief Executive Officer of the Foundation and he shall carry out all administrative functions of the Foundation and shall be the custodian of all the records, assets and belonging to the Foundation.

1.22 The Executive Director shall keep and circulate the minutes of the General Body meeting, Sub-committee meetings and maintain all the registers, records of the Foundation.

1.23 The Executive Director can delegate his office and duty if it becomes necessary unless it is so delegated procedural and administrative routines will be stalled.

Such delegation of duty shall be in regular course of the business, shall be expressed on clear terms which shall be immediately communicated to the Executive Committee.

1.24. Other Matters

- (a) Executive Director shall have powers to organize seminars, workshops etc. and can publish books and research material of the Foundation.
- (b) The Executive Director shall formulate projects and programmes for submission to various funding agencies for financial support.
- (c) The Executive Director shall have powers to interact with national and international agencies which have similar objectives as that of the Foundation.
- (d) The Executive Director shall maintain a data bank regarding Valmiki Tiger Reserve and develop suitable systems and techniques for the same.

1.25 Funds of the Foundation

- (a) The Foundation shall make an arrangement for raising funds for various works from national as well as international sources to achieve the objectives and goals of the foundation. Funds will be for two purposes:-
 - I. To plan, design, develop and execute projects for Valmiki Tiger Project and its adjacent areas for the management of Bio- diversity, village eco-development, extension & research and public awareness.
 - II To develop and manage a Corpus Fund for Bio-diversity conservation in Valmiki Tiger Reserve and its adjacent areas.
- (b) May accept and utilize grants, donations or assistance of any kind from foreign governments, institutions and agencies subject to government rules and procedures.
- (c) The assets of Valmiki Tiger project shall continue to be those of the state government.

1.26. The Executive Committee shall select the bankers of the Foundation. All funds shall be deposited in to bank account of the Foundation and shall be withdrawn through cheques signed by such officer as may be duly empowered by the Executive Committee.

1.27 Accounts & Audit

- (a) The Foundation shall maintain proper accounts and other relevant records and prepare annual accounts comprising the receipt and payment accounts, statement of liabilities in such form as may be prescribed.
- (b) The accounts of the Foundation shall be audited annually by chartered accountant or any agency so authorized by the Governing Body.
- (c) The audited accounts shall be submitted to the Governing Body which shall submit a copy of Audit Report along with its observations to the state government within 30 days from the receipt there of.

1.28 Annual Report of the Foundation

The Annual Report on the working of the Foundation showing the work undertaken by it during the previous financial year together with balance sheet and audited accounts, shall be prepared by Executive Committee for information of the Governing Body. A draft of Annual Report along with the audited accounts of the Foundation and the auditor's reports there on shall be placed before the Governing body in its Annual General Meeting.

1.29 Financial Regulations

Power of Field Director, Valmiki Tiger Project:-The Field Director, Valmiki Tiger Project shall be the Executive Director of the Foundation and shall be responsible for proper administration of the affairs and funds of the Foundation and efficient implementation of various activities of the Valmiki Tiger Project management in a mission mode under the directions and guidance of the Governing body. The Executive Director of the Foundation shall exercise technical, administrative financial and disciplinary powers exercised by the Head of the Department. He shall also continue to perform the duties and exercise the powers as may be or may have been assigned to him by the Govt./Governing body/Executive committee.

1.30 Annual General Meeting of Governing Body's Executive Committee shall be organized every year. In this meeting audited Account of previous year's budget and current year shall be discussed and accepted. The quorum for the Annual General Meeting shall be half of the total members.

1.31 The minutes of the proceedings of every meeting of the Governing Body and Executive Committee shall be kept separately in a book that purpose and the business and other matters transacted at such meeting shall be recorded therein. Such minutes when signed by the Chairman shall be conclusive proof of the business transacted.

1.32 As a representative of the Foundation, the Executive Committee will be the custodian of the monies and assets accumulated from time to time through grants, gifts and other financial instruments and will be responsible for the same.

1.33 The Executive Committee can appoint a sub-committee for the assessment and evaluation of any project or any programme that is being implemented, if found necessary.

1.34 The Governing Body shall have power to discontinue the flow of funds and initiate actions as deemed necessary where allocation are used for the purpose not endorsed by the Governing Body. Before taking such actions as stated above, an opportunity of being heard shall be given to the project or programme implementing agency or the person concerned.

1.35 The Financial year of the Foundation shall be from 1 April to 31 March.

1.36 In carrying out various activities of the Foundation provisions of the Bihar Financial Rules and Bihar Service Rules shall be strictly observed wherever they are relevant.

1.37 The Executive Committee may delegate to the Field Director, Valmiki Tiger Project or to a member of the Committee or any other officer of the Foundation such administrative and financial powers and entrust such duties as it deems proper.

2.1 Amendments in the Rules

With prior approval of the Governing Body, the Foundation may alter, extend and amalgamate the rules of the Foundation.

2.2 As and when there is any change in the nomenclature of Departments, institutions and designations mentioned in the Rules, such changes shall automatically stand incorporated in these Rules.

2.3 Regulations

The Foundation shall have power to frame and amend regulations not inconsistent with these rules, under specific directions, for the administration and management of the affairs of the Foundation and without prejudice to the generality of this provisions, such Regulations may provide for the following among other matters:-

- (I) Prior permission of the government shall be obtained in service matters of officers and staff including creation of posts, qualifications, selection procedures, service conditions, pay and emoluments, discipline and control.
- (II) Important financial aspects including formulation of budget, purchase procedures, delegation of financial powers, investment of Funds, maintenance of accounts, audit etc.
- (III) Such other matters as may be necessary for the furtherance of the objectives and the proper administration of the affairs of the foundation provided that for the purpose of this Rule following guide lines would be kept in view while creating the post and formulating the service and financial Regulations:-
 - (A) Scales of pay in respect of the posts to be created by the Governing Body shall correspond, as far as possible, to the scales of pay of the state Government. However, depending on the professional competence and experience additional remuneration can be decided subject to the approval of the Governing Body.
 - (B) Mode of recruitment in respect of the posts to be created for the foundation shall be on transfer, deputation or short-term contract. For work related specific assignments, persons would be deployed on fixed emoluments on contract basis with provision for revision each year if considered appropriate.
 - (C) Consideration of financial discipline, prudence and economical efficiency shall be kept in view.

2.4 Power of Government

State Government shall review the working pattern of the Foundation time to time and may issue such directions as necessary.

Before the witness here under

The Trustees have executed these presents on the day, month and year above mentioned to register this deed.

Signature's name of the Trustee

Witness

Signatures names Address

Above mention proposals has been approved by the Hon'ble State Minister (Independent charge) Forests & Environment Department.

Approval of cabinet is required on the section 1 to last section of the proposal.

By order of the Governor of Bihar,
SUBHAKIRTI MAJUMDAR,
Principal Secretary to Government..

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 164-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>